SRU WORLD

(A Monthly News Letter)

Vol : 10 | September 2023 | Page : 12

2nd Convocation

Wednesday, 11th October 2023

श्री विश्वभूषण हरिचंदन
महामहिम राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अनंत श्री विभूषित
श्री रविशंकर जी महाराज
रावतपुरा सरकार

आमंत्रित अतिथिगण

डॉ. वी. के. सारस्वत, पद्म भूषण
सदस्य नीति आयोग
पूर्व सचिव-डीआरडीओ

श्री आशुतोष राणा
प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता, निर्देशक
एवं लेखक

प्रो. डी. पी. सिंह
पूर्व अध्यक्ष : यूजीसी

प्रो. उमेश कुमार मिश्रा
अध्यक्ष, सीजीपीयुआरसी, रायपुर

प्रो. जे. एस. राजपूत
पूर्व अध्यक्ष, एनसीटीई एवं निदेशक एनसीईआरटी

प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला
कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

विश्वविद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस, विद्यार्थियों ने कहा गुरुओं के संकल्प और समर्पण से ही मिली हमें एक नई दिशा

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में महान शिक्षाविद्, भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिवस के अवसर पर 5 सितंबर को कुलाधिपति अनंत श्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज की कृपामयी उपस्थिति में "शिक्षक दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में शानदार सांस्कृति कार्यक्रम में लोक गीत और नृत्य की प्रस्तुति दी तत्पश्चात पुरस्कार वितरण किया गया।इस अवसर पर शिक्षकों प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

"शिक्षक दिवस" के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. शिवकुमार पाण्डेय, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति प्रो. हर्षवर्धन तिवारी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल हेल्थ साईस एवं आयुष विश्वविद्यालय, रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ. अरूण टी. दाबके जी उपस्थित रहे।

"शिक्षक दिवस" कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं राज्य गीत की प्रस्तुति के साथ विश्वविद्यालय के सभी सदस्यगणों एवं अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। तत्पश्चात की प्रस्तुति के साथ विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तत्पश्चात श्री हर्ष गौतम स्वागत उद्बोधन में सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी और कहा की आप सभी शिक्षा के उद्देश्यों को पूरा करने में जुटे हुए है इसलिए पूरा समाज आशा से आपकी ओर देख रहा है जहां आप भविष्य के निर्माण के निर्माता है शिक्षा का उद्देश्य है की हम विद्यार्थियों में क्षमताओं का विकास करें अतः शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए पूर्ण लगन निष्ठ के साथ अपना कर्तव्य पूरा कर रहे है।

कुलपति प्रो एस. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी और उन्होंने गुरु अनंत श्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज जी के शिक्षा के उद्देश्यों को बताया जिसमें उन्होंने कहा की हम ऐसी शिक्षा चाहते हैं जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और जिससे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़ा हो सके।" साथ ही उन्होंने कहा की किसी भी शैक्षणिक संस्थान में शिक्षक और शिक्षार्थी उस संस्था की आत्मा होते है। अतः उनके परस्पर

समन्वय से संस्थान नयी उचाईयों को छूता है।

"शिक्षक दिवस" के अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने महान शिक्षाविद्, भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को याद किया और सभी ने शिक्षकों को "शिक्षक दिवस" की बधाई दी। अतिथियों ने अपने अपने शिक्षकी के सफर को याद करते हुए अपने अनुभव साझा किए। प्रो. शिवकुमार पाण्डेय ने कहा की आज स्मरण करने का अवसर है की मेरी माँ जिन्होंने मुझे जन्म दिया और मेरे पिता जिन्होंने मुझे प्राथमिक कक्षा तक पहुंचाया, यही मेरे पहले शिक्षक हैं। पूर्व कुलपति प्रो. हर्षवर्धन तिवारी ने कहा की मेरे गुरु स्वामी विवेका नंद ने कहा है की सरे धर्मों का केंद्र अध्यातक है और मानवता हमारे मूल्य अधिकारों का सूत्र हैं। डॉ. अरूण टी. दाबके ने कहा की आज कल बच्चों में तनाव बहुत है तथा कुपोषण से उनकी बुद्धि के विकास पर प्रभाव पड़ता है, अतः पालकों को उनके आधुनिक जीवन शैली में कुपोषण की समस्या को ध्यान में रखना चाहिए। माता -पिता बहुत होशियार होते हुए भी बच्चे कमजोर है अतः अभिभावकों के बालकों के स्वास्थ्य अनुक्रमणिका पर ध्यान देना चाहिए। हमे इस चिंता जनक परेशानी को खत्म करने के लिए आज शिक्षा के केंद्र से शुरुआत करनी हैं और शिक्षकों को अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गुरु अनंत श्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज ने कहा कि, शिक्षक छात्रों को तैयार करता है और उनका बौद्धिक विकास करता है, जिस चीज में उनकी रुचि हो, उसमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। इस दिन हम सभी शिक्षकों को नमस्कार करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों से को सुझाव दिया कि जीवन बहुत व्यस्त है, व्यस्त जीवन में से कुछ समय अपने लिए निकालें, व्यायाम करें, संगीत सुनें, योग करें और जीवन के लक्ष्यों का भी ध्यान रखें।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और गुरु प्रशाद एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया तत्पश्चात कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने धन्यवाद में सभी का आभार व्यक्त किया और सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

विश्वविद्यालय में आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस पर आयोजित किया गया सेमिनार

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने 6 सितंबर को आईटी क्षेत्र में करियर के महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक सेमिनार आयोजित किया। इस सेमिनार में आईटी प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान, एआई उपकरणों के व्यावहारिक कार्यान्वयन, डिजिटल मार्केटिंग, और डेटा साइंस के करियर के मामूली और गहरे दृष्टिकोण पर विचार किए गए।

सेमिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग और आईटी अकादमी के सहयोग से किया गया था। इस सेमिनार में स्पीकर के रूप में आईटी क्षेत्र में 10 वर्षों के औद्योगिक अनुभव वाले आकाश सरकार ने भाग लिया, जो तकनीकी निदेशक के रूप में टेकचेरी सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत हैं। इस सेमिनार में विश्वविद्यालय के भी विभागों से अधिक संख्या में विद्यार्थी भाग लिया।

विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के अधिकारी मोहम्मद शादाब ने इस सेमिनार का महत्वपूर्ण सहयोग किया। इस सेमिनार में आईटी के बारे में जानकारी के साथ-साथ एक्साइटिंग तरीके से डेटा साइंस और एआई के करियर के अवसरों पर भी चर्चा की गई, जिससे विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में जागरूक एवं प्रशिक्षित होने का मौका मिला। सेमिनार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह, और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने प्रोत्साहित किया और उन्हें शुभकामनाएं दी।

श्री रावतपुरा सरकार प्राइवेट आईटीआई में द्वितीय दीक्षांत समारोह किया गया आयोजित

एसआरयू में श्री रावतपुरा सरकार प्राइवेट आईटीआई का द्वितीय दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया जिसमें आईटीआई के 12 पदक विजेताओं को विशेष विषयों में उनकी उपलब्धियों के लिए 4 स्वर्ण पदक, 4 रजत पदक और 4 कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। पूजा निशाद (कोपा), दर्शन यदु (इलेक्ट्रीशियन), दामेश (फिटर) और मुकुल वर्मा (मैकेनिक डिसल) आईटीआई के गोल्ड मेडलिस्ट रहें।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एस. के सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य सृजन है, विनाश और निर्माण दोनों जरूरी है, क्योंकि नई परंपरा बनाने के लिए पुरानी परंपरा को नष्ट करना जरूरी है| सबसे पहले 2010 में ग्रामीण और पिछड़े युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण की शुरुआत की गई और हमें उम्मीद है कि आईटीआई के छात्रों को इस क्षेत्र में सरकार की विभिन्न योजनाओं का भी लाभ मिलेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी), भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा कि दीक्षांत समारोह अंत नहीं है बल्कि यह इस बात की शुरुआत है कि आप ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद समाज और देश को क्या देंगे। छात्रों को यह समझना होगा कि उनकी क्षमताएं समाज और राष्ट्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, उन्हें हमेशा केवल अपने लिए नहीं बल्कि सभी के लिए आगे बढ़ना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा ने सभी पदक विजेता और छात्रों को बधाई दी। छात्रों को प्रेरित करने के लिए, डॉ. पल्टा ने एक महिला आईएएस अधिकारी की प्रेरक कहानी और उनकी उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि लड़कियों को सभी पहलुओं में व्यावहारिक ज्ञान इकट्ठा करने के लिए हर प्रकार की शिक्षा मिल रही है और हमें अच्छा लगता है कि लड़कियां भी आईटीआई में शामिल हो रही हैं और स्वर्ण पदक विजेता बन रही हैं।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने छात्रों और आईटीआई के प्रिंसिपल आर.एम पटेल को इस विशेष दिन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में डॉ.सौरभ के शर्मा रजिस्ट्रार, प्रो.आर.आर.एल बिराली डीन एकेडमिक्स उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन किशन रात्रे, देवेन्द्र टंडन, अमित मंडल, प्रमेन्द्र प्रकाश एवं पीला बाई मरकाम ने किया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ स्पेशल एजुकेशन डिपार्टमेंट सीआरई सेमिनार, 8 राज्यों से सदस्यों ने लिया भाग

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में स्पेशल एजुकेशन डिपार्टमेंट द्वारा 21 सितंबर को सीआरई (कंटीन्यूइंग रिहैबिलिटेशन एजुकेशन) ऑन-लाइन एवं ऑफलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया है। सीआरई दिव्यंगों का परिचय और दिव्यांग लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की सतत पुनर्वास शिक्षा (सीआरई) सेमिनार का आयोजन है जिसमें सीआरई कार्यक्रम में श्रीमती सिम्मी श्रीवास्तव, पुनर्वास विशेषज्ञ, डॉ करुप्पा सामी सीडब्ल्यूएसएन के लिए शैक्षिक निहितार्थ और प्रबंधन,श्री राजेश तिवारी, पुनर्वास विशेषज्ञ एवं सुश्री तृप्ति सारस्वत सीआरई समन्वयक के रूप में शामिल हुए।

सेमिनार में वस्तुतः 250 से अधिक छात्र भाग लिया हैं जिसमें पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया। उल्लेखनीय है की 8 अलग- अलग राज्यों से सदस्यों ने भाग लिया। श्रीमती सिम्मी श्रीवास्तव आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पावरमेंट रायपुर (सी.जी.) की परियोजना एवं अनुसंधान निदेशक, पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. सिमी श्रीवास्तव ने छत्तीसगढ़ में दिव्यंगों का संक्षिप्त परिचय दिया, उन्होंने

बताया की दिव्यांगता पुनर्वास और विशेष शिक्षा के क्षेत्र मे प्रशिक्षण व कार्यक्रमों के विकास, मानकीकरण के लिए जिम्मेदार है आज हर्ष का विषय है कि हम आज इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रिय स्तर पर कर रहे हैं। उन्होंने सेमिनार के चार तकनीकी सैशन में केंद्र शासन द्वारा सीआरई सेमिनार में दिव्यांग लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए पेशेवरों के ज्ञान और कौशल को आगे बढ़ाने के लिए संक्षिप्त में मार्गदर्शित किया। सेमिनार की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राज्यगीत से गई तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने श्री रविशंकर जी महाराज को नमन करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तत्पश्चात उन्होंने कहा की ये पहल दिव्यांग लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाने की पहल है केंद्र शासन जिन्होंने हमे यह राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार के लिए चुना है हम उनके आभारी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में श्री रविशंकर जी महाराज को नमन किया और कहा की आज उनके आशीर्वाद और उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय सफलताओं के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्र शासन द्वारा सीआरई सेमिनार में दिव्यांग लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए विशेषज्ञों के ज्ञान और कौशल को आगे बढ़ाने के लिए आरसीआई एक महत्वपूर्ण पहल है और इस पहल को आगे बढ़ाए जाने का प्रयास किया गया। और इस प्रयास में हम भी शामिल यह गर्व की बात है। सीआरई सेमिनार के माध्यम से विशेष शिक्षा के लिए शिक्षको को अद्यतन करने के लिए और छात्रों को मार्गदर्शित करने के लिए यह सेमिनार आयोजित किया गया है।

कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा की विश्वविद्यालय अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है जहां ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षत करने का अवसर प्राप्त हो रहा है जो समाज की मुख्य धारा में नहीं आते हैं, आज विश्वविद्यालय को ऐसे सेमिनार आयोजित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है जो स्वयं परमात्मा के हस्ताक्षर होते है और परमात्मा ने उनसे कुछ लिया है तो कुछ विशेष दिया भी है।

विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया कोरल ड्रॉ एवं फोटोशॉप पर दो दिवसीय कार्यशाला...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार एवं सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 11 से 12 सितंबर 2023 को कोरल ड्रॉ एवं फोटोशॉप पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़ के हिस्सा लिया। कार्यशाला में उपस्थित विधार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यशाला में 10 साल के अनुभवी ग्राफिक डिजाइनर श्री दिनेश सिन्हा रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार एवं एच आर हेड मनोज सिंह ने उपस्थित हो कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य के लिए मार्गदर्शित भी किया एवं कार्यशाला में समन्वयक के रूप डॉ. संतोष कुमार, डॉ. नरेश गौतम उपस्थित रहे। रिसोर्स पर्सन श्री दिनेश सिन्हा ने कार्यशाला के पहले दिन कोरल ड्रॉ के बारे में संक्षिप्त में बताया एवं प्रेक्टिकल दे कर समझाया। श्री दिनेश सिन्हा ने कार्यशाला की शुरूआत डिजाइन के इतिहास से की जिसमें उन्होंने बताया की रंगोली भी एक ग्राफ़िक का रूप हैं, उन्होंने ग्राफ़िक डिजाइन का इतिहास बताया, प्राचीन काल में डिज़ाइन, पेंटिंग एंड आर्ट, गोदना एवं टैटू, विज्ञापन एवं हमारे दैनिक जीवन में ग्राफ़िक डिज़ाइन के महत्व के बारे में बताया एवं उन सभी में डिजाइन का उपयोग होता और डिज़ाइनर की क्या भूमिका होती है उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोगो के बारे में विस्तार पूर्ण वर्णन बताया। उन्होंने डिज़ाइन के प्रकार बताये जिसमें उन्होंने वास्तुकला डिजाइनिंग एवं इसकी निर्माण की कला और तकनीक के बारे में बताया, जो निर्माण से जुड़े कौशल से अलग है। यह इमारतों या अन्य संरचनाओं को स्केच करने, कल्पना करने, योजना बनाने, डिजाइन करने और निर्माण करने की प्रक्रिया और उत्पाद दोनों है किसी वस्तु की निर्माण की योजना और रूपरेखा कैसे बनाना है ये बताया। कार्यशाला के दूसरे दिन श्री दिनेश सिन्हा ने फोटोशॉप की शुरुआत के बारे में बताया एवं किस किस क्षेत्र में उपयोगी है एवं इसकी महत्वता के बारे में बताया और उन्होंने बताया की कोरल ड्रॉ एवं फोटोशॉप सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अपनी बेहतरीन करियर बना सकते है इनकी पूर्ण जानकारी दी गई। इसके साथ ही सामाजिक कार्य विभाग से डॉ. नरेश गौतम ने कैमरे के बारे में विस्तार पूर्ण जानकारी दी। विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह, और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने छात्रों को प्रोत्साहित किया और उन्हें शुभकामनाएं दी।

विश्वविद्यालय के एलएलबी के छात्रों ने छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में इंटर्नशिप से प्राप्त की सफलता

रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के एलएलबी विभाग के तीन प्रतिभाशाली छात्रों ने छत्तीसगढ़ राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण में अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपने असाधारण प्रदर्शन से एक अमिट छाप छोड़ी है। सूरज बंजारा, शिव कुमार और साहिल जोशी ने न केवल अपनी कानूनी कौशल का प्रदर्शन किया है, बल्कि विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग और एक प्रतिष्ठित कानूनी संस्थान के बीच सफल सहयोग का भी प्रदर्शन किया है। सूरज बंजारा, शिव कुमार और साहिल जोशी ने श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में प्राप्त कानूनी ज्ञान की मजबूत नींव के साथ अपनी इंटर्नशिप यात्रा शुरू की। संस्थान के कठोर शैक्षणिक कार्यक्रमों ने उन्हें कानून के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता प्रदान की।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में, इन छात्रों ने कानूनी अनुसंधान, ग्राहक परामर्श और अदालत कक्ष प्रक्रियाओं सहित कानूनी सेवाओं के विभिन्न पहलुओं में मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने अपने सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के मामलों में लागू किया और सभी के लिए न्याय तक पहुंच प्रदान करने के संगठन के मिशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के बीच सहयोग एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी साबित हुई है। यह अकादमिक शिक्षा और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच अंतर को पाटने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है।

छत्तीसगढ़ राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण में उनकी इंटर्नशिप का सफल समापन श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के एलएलबी कार्यक्रम द्वारा दी जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन का प्रमाण है। सूरज बंजारा, शिव कुमार और साहिल जोशी कानूनी पेशे में विश्वविद्यालय के छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के ज्वलंत उदाहरण हैं। जैसे ही वे परिसर में लौटेंगे, सूरज बंजारा, शिव कुमार और साहिल जोशी अपने साथियों को अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से प्रेरित करने और उन्हें अपने चुने हुए करियर पथ में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह, और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने छात्रों को प्रोत्साहित किया और उन्हें शुभकामनाएं दी एवं लॉ विभाग के विभागाध्यक्ष अन्तराम प्रधान ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विश्वविद्यालय में आयोजित किया प्लेसमेंट कैम्प, फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस कम्पनी ने विद्यार्थियों को अवसर

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 13 सितंबर 2023 को फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस कम्पनी द्वारा प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किया गया जिसमें एमबीए उत्तीर्ण विद्यार्थी शामिल हुए। फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस कम्पनी के अधिकारियों ने प्लेसमेंट कैम्प में शाखा प्रबंधक एवं शाखा प्रभारी पद के लिए चयन किया गया। प्लेसमेंट कैम्प की प्रक्रिया में पहले प्री प्लेसमेंट प्रेजेंटेशन किया गया, फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के अधिकारियों, एच.आर (मानव संसाधन प्रबंधक) द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को उनकी योग्यतानुसार साक्षात्कार किया गया। कंपनी के अधिकारियों ने चयन प्रक्रिया पूर्ण की एवं प्लेसमेंट में शामिल हुए श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थीयों के ज्ञान कौशल कि प्रशंसा की गई। एच.आर द्वारा बतलाया गया की विश्वविद्यालय को विषय वस्तु संदर्भ में अच्छा ज्ञान है , तथा उनके लिए वो उपयोगी साबित होंगे। प्लेसमेंट सेल के अधिकारी मोहम्मद शादाब का इस प्लेसमेंट कैम्प में उल्लेखनीय सहयोग रहा। विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने प्लेसमेंट कैम्प में उपस्थित विद्यार्थियों प्लेसमेंट में चयनित होने पर बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

विश्वविद्यालय में बिजनेस फेस्ट का किया गया आयोजन, विद्यार्थियों दिखाये अपने एपिक आइडिया

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय द्वारा 14 सितंबर को बिजनेस फेस्ट का आयोजन किया गया। स्टूडेंट्स ने अपने इनोवेटिव आइडियाज के माध्यम से फ्यूचर एंटरप्रेन्योर की प्रतिभा की एक झलक अनोखे अंदाज में दिखाई और सबको आकर्षित किया। यह एक बिजनेस इवेंट हैं जिसमें विद्यार्थियों ने व्यावहारिक रूप से बिजनेस सीखा और यह भी सीखा कि उन्हें उपलब्ध संसाधनों के साथ कैसे प्रबंधित किया जाए और लाभ कमाया जाए। बिजनेस फेस्ट में वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को मार्गदर्शित किया। बिजनेस फेस्ट में विद्यार्थियों द्वारा बर्न एंड ब्लो, बॉलिंग, 7अप-7डाउन, ट्विस्टेड टिक टैक टोए एवं रिंग गेम हुए इसके साथ ही फ्रूट चाट, हॉटडॉग पनीर पोटैटो, मोमोस, गिफ्ट्स आइटम्स, पानीपुरी भेल, सैंडविच स्टॉल लगाए गए। विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने सफल बिजनेस फेस्ट के लिए वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय एवं विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की एवं मैनेजमेंट एवं कॉमर्स के डीन अनूप श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विश्वविद्यालय में मनाया गया अभियंता दिवस, भारतरत्न सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 15 सितंबर को अभियंता दिवस के अवसर पर (इंजीनियर्स दिवस) कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कुलाधिपति अनंत श्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज ने अपनी कृपामयी उपस्थिति दी और उन्होंने भारतरत्न सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता दिखाई और संस्कृतिक लोक गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री तालिब ख्वाजा सेवानिवृत्त कार्यकारी निर्देशक आई.ओ.सी.एल. एवं श्री मनोज कुमार वर्मा अधिक्षण अभियंता रायपुर शहर वृत्त एवं महासचिव राज्य विद्युत अभियंता संघ उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राज्यगीत से गई तत्श्चात स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया और सभी को अभियंता दिवस बधाई दी। उन्होंने बताया की उनके पुराने सहकर्मी उनके साथीगण मनोज कुमार, ऐश्वर्या सोनी जी एवं ऋषि मसोर जिसने मेरे साथ अपने काम की शुरुआत की थी आज वो हमारे साथ इस यह उपस्थित है और इन्होंने कैसे अपने जीवन में कई परेशानियों का सामना

करते हुए सफलता प्राप्त की है उन्होंने बताया की मनोज कुमार जी ने कैसे छत्तीसगढ़ में थर्मल पावर प्लांट लाया और इसे कैसे सफल बनाया। उन्होंने कहा की मनोज कुमार जी के सफल प्रयास को देखते हुए एवं आग्रह को स्वीकार कर के माननीय मुख्यमंत्री जी ने 660 मेगावाट के दो संयंत्र कोरबा में स्थापित किये है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में सभी का स्वागत किया और अभियंता दिवस बधाई दी। उन्होंने कहा की मैं स्वीकार करता हूँ कि इस अवसर पर उपस्थिति अतिथियों ने केवल मनोबल बढ़ाया है, बल्कि हमारे संकाय सदस्यों और छात्रों को भी प्रेरित किया है। मैं इस अवसर पर आप सभी को शानदार दिन पर शुभकामनाएं देना चाहता हूं। इंजीनियर को समाज में बहुत सम्मानित दर्जा प्राप्त है, ऐसा कहा जाता है कि आप वह व्यक्ति हैं जो अपने दिमाग और रचनात्मकता से कुछ भी बना सकते हैं क्योंकि आप एक इंजीनियर हैं, यही वह सम्मान है जो इंजीनियरों को हमारे समाज में प्राप्त है , उन्होंने कहा की स्वदेशी वे हैं जो किताबी ज्ञान को वास्तविकता में अनुवाद करते हैं, ऐसा कहा जाता है कि ज्ञान का अर्थ इसे प्राप्त करना और इसे लागू करना है क्योंकि यदि आपके पास ज्ञान है और उस ज्ञान को लागू नहीं किया गया है,फिर उस ज्ञान का कोई उपयोग नहीं होगा इसलिए इंजीनियर वे वैज्ञानिक से अधिक महत्वपूर्ण हैं वे केवल महान कार्य करने का सपना देख सकते हैं लेकिन इंजीनियर पूरा उसे पूरा करते हैं।कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार ने सभी मंच में अशीन अतिथियों, विश्वविद्यालय के सम्मानीय सदस्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्होंने कहा की विश्वविद्यालय की प्रगति में शामिल विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों का में धन्यवाद करता हूँ। भारत का भविष्य और विश्वविद्यालय में अध्यनरत भावी इंजीनियर्स जो इस सभागार की शोभा बढ़ा रहे है, इनके उत्साहवर्धन के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है उन सभी को अभियंता दिवस की बधाई दी। श्री मनोज कुमार वर्मा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को और सदस्यगणों को अभियंता दिवस की बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और आने वाले इंजीनियर्स को मार्गदर्शित किया। उन्होंने कहा की आज देश इजीनियर्स डे मना रहा है। बिना इंजीनियरों के किसी भी देश का विकास व निर्माण असंभव है। हर साल भारत में 15 सितंबर का दिन इंजीनियर्स डे के रूप में मनाता है। आज राष्ट्र निर्माण में इजीनियरों की तरफ से किए गए प्रयासों को सलाम करने का दिन है। यह दिन देश के महान इंजीनियर और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को समर्पित है।श्री तालिब ख्वाजा ने अपने जीवन के अनुभव साझा किये और छात्रों को मार्गदर्शित किया उन्होंने बताया की इंजीनियर्स को हमेशा तत्पर होना चाहिए और कार्य करने में एक्टिव होना चाहिए चाहे कोई भी रुकावट क्यों न आये जीवन में। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा की आप हमारे आने वाले इंजीनियर्स है और आपको ये पता होना चाहिए की हमारे रायपुर एन आई टी से 10 छात्र चंद्रयान 3 के कार्य में शामिल है और ये हमारे लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम के अंत में विशिष्ट अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और गुरु प्रशाद एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने सफल कार्यक्रम के लिए सभी सदस्यों को बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

विश्वविद्यालय ने की स्किलोविला के संरक्षक श्री लब्धि चोपड़ा अतिथि वक्ता के साथ "डेटा एनालिटिक्स कैरियर" कार्यशाला किया आयोजन

अपने छात्रों को नवीनतम कौशल की जानकारी से अद्तन करने के प्रयास में, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने "डेटा एनालिटिक्स कैरियर" पर एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया। आयोजित इस कार्यशाला में आईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र और स्किलोविला के संरक्षक श्री लब्धि चोपड़ा अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी थी।

कार्यशाला, जिसका शीर्षक "डेटा एनालिटिक्स कैरियर" डेटा की शक्ति का परिचय करना" है, कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को डेटा विश्लेषण तकनीकों और उनके वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों की गहरी समझ प्रदान करना था। क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के लिए पहचाने जाने वाले श्री लब्धि चोपड़ा ने एक आकर्षक और जानकारीपूर्ण सत्र दिया, जिसने छात्रों

को प्रेरित और सूचित किया। विभिन्न विभागों और पृष्ठभूमियों के छात्रों ने अत्यधिक उत्साह के साथ कार्यशाला में भाग लिया। उन्हें डेटा एनालिटिक्स की दुनिया में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, आज के डेटा-संचालित युग में इसके महत्व और प्रभावी डेटा विश्लेषण के लिए व्यावहारिक टिप्स और ट्रिक्स हासिल करने का अवसर मिला।

कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय के "ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट विभाग" ने एक मंच के रूप में इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतिभा को निखारने और छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के मिशन के साथ, स्किलोविला नियमित रूप से कार्यशालाओं, सेमिनारों और कौशल-निर्माण सत्रों का आयोजन करता है जो पारंपरिक पाठ्यक्रम से परे होते हैं। श्री लब्धि चोपड़ा, जिन्होंने टेक उद्योग में अपना नाम बनाया है, ने उत्सुक छात्रों के साथ अपनी यात्रा, अनुभव और ज्ञान साझा किया। उनके इंटरैक्टिव दृष्टिकोण और संबंधित उदाहरणों ने डेटा विश्लेषण में जटिल अवधारणाओं को दर्शकों के लिए अधिक सुलभ और प्रासंगिक बना दिया। श्री चोपड़ा ने कहा, "डेटा डिजिटल युग की मुद्रा है और इसका विश्लेषण करने की क्षमता किसी भी क्षेत्र में एक मूल्यवान कौशल है।" "मैं श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच उत्साह और जिज्ञासा देखकर प्रसन्न हूं। सही कौशल और ज्ञान के साथ, उनमें अपने चुने हुए करियर में उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता है।" कार्यशाला एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ संपन्न हुई जहां छात्रों को श्री लब्धि चोपड़ा से सलाह और स्पष्टीकरण प्राप्त करने का मौका मिला। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को डेटा विश्लेषण के महत्व को जानने के लिए प्रेरित किया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय एवं स्किलोविला की यह पहल अपने छात्रों की प्रतिभा और महत्वाकांक्षाओं को पोषित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। विश्वविद्यालय एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देना जारी रखता है जहां सीखना कक्षा से परे जाता है, छात्रों को व्यावहारिक कौशल के साथ सशक्त बनाता है जो उनके भविष्य के करियर में अच्छी तरह से काम करेगा।विश्वविद्यालय इस तरह की और अधिक ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए तत्पर है, जो अपने छात्रों को उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्राओं में अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए सशक्त बनाएगा।

विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए कहा की हम आगे भी ऐसे कार्यक्रम कराने लगातार प्रयास करेंगे।

विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय द्वारा मनाया गया "राष्ट्रीय पोषण अभियान 2023"

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य एवं संबद्ध विज्ञान विभाग ने 23 सितंबर को "राष्ट्रीय पोषण अभियान 2023" के अंतर्गत " पोषण माह" के उपलक्ष्य में उन्नत भारत अभियान गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में विभाग ने प्राथमिक विद्यालय धनेली और एच.एस. स्कूल माना में पोषण से संबंधित स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें ग्रामीणों, स्कूलों, बच्चों में पोषण चार्ट भी वितरित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ-पौष्टिक भोजन और उनके लंबे जीवन के लिए उनके लाभों और मनुष्यों के लिए स्वस्थ भोजन के महत्व के बारे में जागरूक करना था। विज्ञान संकाय की डीन डॉ. अनुभूति कोशले ने सभी विद्यार्थियों को उनके बेहतर भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय पोषण माह के इस आयोजन में दिव्या शर्मा, प्रतिभा चोखी, नेहा वर्मा, प्रतिका साहू, दीपाली साहू, राजेंद्र पटेल, रोहन, संतोष पाल ने सभी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया।

विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के

सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने सफल अभियान के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों लो शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा की समाज में जागरूकता की यह पहल में आप सभी ने अहम भूमिका निभाई है और आगे भी ऐसे ही समाज को जागरूक करने में अपना कर्तव्य निभाए।

विश्वविद्यालय में मनाया गया दो दिवसीय "विश्व फार्मासिस्ट दिवस"

श्री रावरपुरा सरकार विश्वविद्यालय में फार्मेसी विभाग द्वारा 26 से 27 सितंबर को "विश्व फार्मासिस्ट दिवस" का आयोजन किया गया जिसमें पहले दिन पोस्टर मेकिंग, मॉडल प्रेजेंटेशन, रंगोली प्रतियोगिता, इवैल्यूएशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया गया एवं दूसरे दिन विश्व फार्मासिस्ट दिवस सेलिब्रेशन कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा विनियमन समिति के अध्यक्ष, एवं फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से डॉ. दीपेंद्र सिंह उपस्थित रहे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य फार्मेसी काउंसिल रायपुर (सीजी) के रजिस्ट्रार डॉ. शेखर वर्मा उपस्थित रहें।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर बहुत से छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और मॉडल प्रस्तुति में प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कार प्राप्त किया, आदित्य कौशिक और समूह ने प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान यशिका इशरानी एवं ग्रुप। तृतीय स्थान बी.राजकुमार एवं पिंकी वर्मा ग्रुप। पोस्टर प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान सच्चिदानंद पांडा एवं ग्रुप ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान रविशेखर एवं ग्रुप। तृतीय स्थान हर्षित शर्मा एवं ग्रुप। रंगोली प्रतियोगिता में रुचि जैन एवं समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान हर्षिता साहू एवं समूह। तृतीय स्थान रौनक सिंह एवं ग्रुप। सांस्कृतिक गतिविधि में प्रथम स्थान अंजलि (मोनो डांस) द्वितीय स्थान शेर्या और प्रांजल (डुओ डांस) तृतीय स्थान अलका एंड ग्रुप (ग्रुप डांस) रहें।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राज्यगीत से गई तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन में विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने श्री रविशंकर जी महाराज को नमन करते हुए उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तत्पश्चात उन्होंने फार्मेसी के विद्यार्थियों से कहा की हम आपको केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि उस क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार भी करेंगे, उन्होंने कहा की कोविड के समय में फार्मासिस्ट का बहुत बड़ा रूप था जब सारी संस्थाए और कम्पनी अपना कार्य बंद कर दी थी तब भी फार्मासिस्ट अपना कार्य पूरी ईमानदारी से कर रहे थे। उन्होंने कोविड के अपने अनुभव भी साझा किये।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में श्री रविशंकर जी महाराज को नमन किया और कहा की आज उनके आशीर्वाद और उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय सफलताओं के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी फार्मासिस्ट से कहा की आज आप दिन है जिसे बड़े उत्साह से हम सभी मिल कर मना रहे है , समाज में और मनुष्य के जीवन स्वास्थ एक बड़ा हिस्सा है और स्वास्थ को स्वस्थ रखने की जरूरत है और फार्मासिस्ट हमें स्वस्थ रखने में अहम भूमिका रखते है। आप अपने क्षेत्र में सेवा भाव के साथ आगे बढ़े समाज में अपनी सेवा दे यही आपकी सफलता है।

कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में सभी फार्मासिस्ट को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की शुभकामनाएं दी और उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया , उन्होंने कहा की हर दिन कुछ खास होता है और ऐसे ही आज विश्व फार्मासिस्ट दिवस दे है, फार्मासिस्ट का खास दिन है जिसे विद्यार्थियों ने और भी खास बना दिया है। उन्होंने कोविड के समय सबसे ज्यादा परेशानी का सामना मेडिकल क्षेत्र ने किया है जिसका महत्वपूर्ण हिस्सा फार्मासिस्ट है , फार्मासिस्ट कोई साधारण व्यक्ति नहीं है ये अपने कार्य समाज की सेवा भी करते है।

डॉ. शेखर वर्मा ने उपस्थित सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को विश्व फार्मसिस्ट दिवस की शुभकामनाएं दी और विश्वविद्यालय का आभार

व्यक्त किया साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय में आमंत्रित होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा की फार्मासिस्ट हेल्थ केयर सिस्टम के पिलर है फार्मसिस्ट सबका मूल सार है जो हेल्थ केयर को मजबूत बनाता हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करते हुए कहा की आप सारे विद्यार्थी बधाई के पात्र है की आपने यह क्षेत्र चुना है ,अच्छी किताबो का चयन करे और बेसिक से खुद को मजबूत करे।

डॉ. दीपेंद्र सिंह ने उपस्थित सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी और विश्व फार्मसिस्ट दिवस की बधाई दी, उन्होंने अपने फार्मसिस्ट के अनुभव को साझा करते हुए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा की फार्मसिस्ट समाज में बहुत बड़ी भूमिका निभाते है। उन्होंने बताया की फार्मेसी में अपना करियर बनाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा की अब जो समय हैं वो आपका समय है अब आपको अपनी भूमिका निभानी है।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और गुरु प्रशाद एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया तत्पश्चात विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने धन्यवाद में सभी का आभार व्यक्त किया और सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

विश्वविद्यालय में हुआ "क्रिप्टोग्राफी और नेटवर्क सुरक्षा" विषय पर अतिथि व्याख्याता

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 27 सितंबर को गणित विभाग द्वारा गणित और कंप्यूटर विज्ञान के छात्रों के लिए "क्रिप्टोग्राफी और नेटवर्क सुरक्षा" विषय पर अतिथि व्याख्याता का आयोजन किया गया है। अतिथि व्याख्याता में मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के प्रोफेसर डॉ. सहदेव पाध्ये उपस्थित रहें।

अतिथि व्याख्याता में प्रोफेसर पाध्ये ने प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक क्रिप्टोग्राफी के विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामान्य जीवन में विभिन्न ए. टी. एम आदि मे प्रयोग होने वाले पिन को किस प्रकार क्रिप्टोग्राफी का प्रयोग करके दूसरो से बचाया जा सकता है, इसे बहुत रोचक तरीके से प्रस्तुत किया साथ ही आधुनिक समय मे क्रिप्टोग्राफी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आने वाले समय में इसकी उपयोगिता व रोजगार के अवसर पर या प्रकाश डाला। व्याख्यान के अन्त में विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न के उत्तर बड़े रोचक तरीके से दिए। व्याख्यान के दौरान गणित व कंप्यूटर साइंस के समस्त स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद थे अन्त मे गणित विभाग के प्रोफेसर डॉ. सत्यज तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों शुभकामनाएं प्रेषित की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय में "भगत सिंह" के 117 वीं जन्म जयंती अवसर पर आयोजित किया गया विचार गोष्ठी

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 29 सितम्बर 2023 को समाज विज्ञान संकाय द्वारा शहीद-ए-आज़म भगत सिंह के 117वीं जन्म जयंती (28 सितम्बर) के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया | जिसमें शहीद भगत सिंह के जीवन और उनके देश के प्रति प्रेम को विद्यार्थियों को बताया गया, इस अवसर पर शहीद भगत सिंह के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई | राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने भगत सिंह के जीवनी पर प्रकाश डाला | योग्मय प्रधान ने भगत सिंह के जीवन से जुड़े रोचक किस्से बताये | बीए ऑनर्स (राजनीति विज्ञान) पंचम सेमेस्टर की छात्रा तमन्ना झाबक ने कविता के माध्यम से भगत सिंह के योगदान को बताया | बीए एलएलबी से प्रणब त्रिपाठी ने भगत सिंह के बाल्य काल से जुड़े किस्सों से अवगत कराया| इस अवसर पर समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ अवधेश्वरी भगत एवं समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष तथा शिक्षकगण, छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे| विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ के. शर्मा ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों शुभकामनाएं प्रेषित की और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चातुर्मास महोत्सव - 2023

श्री रविशंकर जी महाराज के चातुर्मास का समापन, पार्थिव शिवलिंग का हुआ पूजन

श्रीरावतपुरा सरकार रायपुर में सद्गुरुदेव रविशंकर महाराज 'रावतपुरा सरकार' के मंगल सानिध्य में 29 जून को देवशयनी एकादशी के शुभ मुहूर्त पर प्रारंभ हुए चातुर्मास व्रत अनुष्ठान का समापन समारोह 25 सितंबर को एकादशी के शुभ अवसर पर आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में विनों द्वारा मंत्रोच्चारण किया गया। इस दौरान प्रातः 3 बजे ब्रह्म मुहूर्त में पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक पूर्ण विधि विधानसे हुआ। दोपहर 12:30 बजे अभिजित मुहूर्त में रुद्रयज्ञ पूर्णाहुति दी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए श्री रविशंकर जी महाराज ने कहा कि हमारे धार्मिक साहित्य में चातुर्मास का विशेष महत्व बताया गया है। इस दौरान मथुरा-वृन्दावन को छोड़कर अन्य सभी धार्मिक यात्रायें पूरी तरह वर्जित मानी जाती हैं। महाराज श्री ने कहा कि यह समय वर्षा ऋतु का के संबंध में बड़ी आसानी से जानकारी होता है, लिहाजा संतों के लिए भी एक स्थान पर बैठकर ईश्वर स्मरण व सत्संग करने के लिए हमारे साहित्य में कहा गया है। संत जन इसी परम्परा का निर्वहन करते हैं और चातुर्मास के दौरान एक स्थान पर ठहरकर ईश्वर का भजन व भक्तों के साथ सत्संग करते हैं। महाराज श्री ने कहा कि सत्संग का अपना विशेष महत्व है। सत्संग के माध्यम से व्यक्ति को गूढ़ से गूढ़ विषयों प्राप्त हो जाती है। कार्यक्रम के दौरान अनेक तरह के भजन भी हुए। तत्पश्चात् शिष्यों ने बड़ी संख्या में उपस्थित महाराजश्री की आरती में भाग लिया। इस दौरान महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों भक्तगण शामिल हुए। उक्त कार्यक्रम में अनेक राजनेताओं, अधिकारियों, चिकित्सकों, अभिभाषकों, व्यापारियों आदि ने अपनी सहभागिता की।

2nd Convocation
Chancellor's Gold Medal Recipients

Mr. Kripasindhu Patel

Ms. Khileshwari

Mr. Tarun Prasad Sonwani

Ms. Soumya Soni

Mr. Rajesh Baghel

Ms. Madhu Suryavanshi

Ms. Divyan Singh Bhadauria

Ms. Kajal Patel

Ms. Baby Kumari

Mr. Revatiraman Chandra

Ms. Vinita Sharma

Ms. Nishtha Das

Mr. Rakesh Janghel

Ms. Pushplata Dewangan

Mr. Vyenkatesh Prasad Janghel

Ms. Neha Satpathi

Mr. Vinay

Ms. Chaudhary Dhara Narottam

Mr. Tungan

Mr. Komal Sahu

Mr. Azad Chand Mahajan

Mr. Ravikishor Singh

Mr. Shoaib Alam

Mr. Kuldeep Dwivedi

Ms. Neha Kamat

Ms. Gayatri

Mr. Vivek Kumar Singh

Mr. Raj Kumar Gupta

Ms. Sharon Prasad

Ms. Jyoti Yadav

Ms. Vamita Bepari

Mr. Khileshwar Yadu

Ms. Varsha Rathor

Ms. Chanchal

Ms. Devdash Kashi

कोर्स वो जो दिलाये रोजगार

हम विद्यार्थियों को केवल शिक्षित ही नहीं करते, बल्कि उन्हें रोजगार योग्य भी बनाते हैं

कक्षा दसवीं के बाद अब पढ़ सकते है एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स

- **डिप्लोमा इन हाउसकीपिंग**
  (हॉस्पिटल में रोजगार)
- **डिप्लोमा इन होम बेस्ड पेशेंट केयर**
  (घरों में मरीज एवं सीनियर सिटीजन की देखभाल द्वारा रोजगार)

किफ़ायती फीस एवं छात्रवृत्ति की सुविधा

Total Placement in Four Month

Engineering	51
Commerce and Management	107
Science and Pharmacy	77
Arts	54
Law	18
Nursing	44
ITI	5

Companies Shared for Placement

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति
प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति
संपादक
हिना परवीन

छायाचित्र
शुभम नामदेव

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव
ग्राफिक्स डिज़ाइन
दिनेश कुमार सिन्हा